फोरम शॉपिंग

प्रिलिम्स के लिये:

फोरम शॉपिंग, भारत का मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय, फोरम शॉपिंग का सिद्धांत

मेन्स के लिये:

फोरम शॉपिंग, इसके नुकसान और बचाव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारत के मुख्य न्यायाधीश** (Chief Justice of India- CJI) ने फोरम शॉपिंग की प्रथा की निंदा की। उल्लेखनीय है कि एक **वकील** द्वारा मुख्य न्यायाधीश के समक्ष उसी मामले का उल्लेख किया गया जिसका उल्लेख उसने एक दिन पहले ही **सर्वोच्च न्यायालय** के किसी अन्य न्यायाधीश के समक्ष भी किया था।

फोरम शॉपिंग का अभ्यास:

- **परिचय:**
  - फोरम शॉपिंग अनुकूल परिणाम प्राप्त करने की आशा में **एक कानूनी मामले के लिये जान-बूझकर एक विशेष अदालत का चयन करने** के अभ्यास को संदर्भित करता है।
  - वादी और वकील प्राय: इस रणनीति को अपनी मुकदमेबाज़ी योजना का हिस्सा मानते हैं।
    - उदाहरण के लिये वे अपने मामले पर अधिक ध्यान आकर्षित करने के लिये **सर्वोच्च न्यायालय (SC)** जैसे उच्चतम न्यायालय का विकल्प चुन सकते हैं। हालाँकि अगर कोई स्पष्ट रूप से व्यवस्था में हेर-फेर करने या किसी विशेष न्यायाधीश से बचने की कोशिश कर रहा है, तो इसे **अनुचित माना जाता है।**
  - इसी तरह **"बेंच हंटिंग"** एक अनुकूल आदेश सुनिश्चित करने के लिये किसी विशेष **न्यायाधीश या बेंच द्वारा अपने मामलों की सुनवाई हेतु प्रबंधन करने वाले याचिकाकर्त्ताओं को संदर्भित करता** है।
- **लाभ:**
  - यह वादी को **न्यायालय में न्याय और मुआवज़े की मांग** करने की अनुमति दे सकता है जो कि उसके दावों या हितों के प्रति अधिक सहानुभूतिपूर्ण है।
  - यह न्यायालयों और न्यायाधीशों के बीच उनकी दक्षता और सेवा की **गुणवत्ता में सुधार के लिये प्रतिस्पर्द्धा एवं नवाचार** को प्रोत्साहित कर सकता है।
- **हानि:**
  - **फोरम शॉपिंग** की न्यायाधीशों द्वारा आलोचना की गई है क्योंकि इससे **प्रतिवादी पक्ष के साथ अन्याय** हो सकता है और विभिन्न न्यायालयों के **कार्यभार में असंतुलन** पैदा हो सकता है।
    - न्यायाधीशों ने **कुछ न्यायालयों पर अत्यधिक बोझ और न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप का हवाला दिया है।**
  - **यह पूर्वाग्रह या पक्षपात की धारणा बनाकर न्यायालयों और न्यायाधीशों के अधिकार** एवं वैधता को कमज़ोर कर सकता है।
  - यह कानूनों के टकराव और कई **कार्यवाहियों में वृद्धि कर मुकदमेबाज़ी की लागत एवं जटिलता को बढ़ा सकता है।**
- **फोरम शॉपिंग को हतोत्साहित करना:**
  - यहाँ तक कि अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम के न्यायालय भी फोरम शॉपिंग को हतोत्साहित/निषिद्ध करते हैं। **कॉमन लॉ/सामान कानून** वाले देशों में फोरम शॉपिंग के अभ्यास को रोकने हेतु **"फोरम गैर-सुविधा"** के सिद्धांत का उपयोग किया जाता है।
    - **संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और राष्ट्रमंडल सभी की कॉमन लॉ** के साथ ब्रिटिश पृष्ठभूमि जुड़ी हुई है तथा इन राष्ट्रों की कानूनी प्रणालियाँ बड़े पैमाने पर **कॉमन लॉ सिद्धांत** पर आधारित हैं।
  - यह सिद्धांत एक न्यायालय को किसी मामले के अधिकार क्षेत्र को अस्वीकार करने की अनुमति देता है, यदि **कोई अन्य न्यायालय इसे सुनने हेतु अधिक उपयुक्त हो। यह निष्पक्षता की गारंटी देता है एवं उपयुक्त न्यायिक अधिकारियों को मामले सौंपता है।**

फोरम शॉपिंग न्याय और न्यायिक प्रक्रिया पर प्रभाव:

- यह **नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत से समझौता** कर सकता है, जिसके लिये आवश्यक है कि **निष्पक्ष न्यायाधिकरण के समक्ष प्रत्येक व्यक्ति की निष्पक्ष सुनवाई** होनी चाहिये।
- यह **समानता के सिद्धांत का उल्लंघन** कर सकता है, जिसके लिये यह आवश्यक है कि न्यायालयों को सामान्य हित के मामलों पर **एक-दूसरे के निर्णयों का सम्मान करना चाहिये और उन्हें टालना चाहिये**।
- यह **अंतिमता के सिद्धांत को बाधित** कर सकता है, जिसके लिये आवश्यक है कि **मुकदमेबाज़ी किसी बिंदु पर समाप्त** होनी चाहिये और **अनिश्चित काल तक लंबी नहीं** चलनी चाहिये।

फोरम शॉपिंग पर सर्वोच्च न्यायालय का दृष्टिकोण:

- **डॉ. खैर-उन-निसा और अन्य बनाम जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश एवं अन्य 2023:**
  - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने एक ही कारण होने के बावजूद **अदालत की विभिन्न शाखाओं के समक्ष कई याचिकाएँ दायर करके फोरम शॉपिंग में शामिल** होने हेतु याचिकाकर्त्ताओं पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया।
- **विजय कुमार घई बनाम पश्चिम बंगाल राज्य 2022:**
  - सर्वोच्च न्यायालय ने फोरम शॉपिंग को "अदालतों द्वारा एक विवादित प्रथा" करार दिया, जिसे "कानून में कोई मंज़ूरी और सर्वोच्चता नहीं है"।
- **धनवंतरी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बनाम राजस्थान राज्य 2022:**
  - राजस्थान **उच्च न्यायालय ने फोरम शॉपिंग में शामिल होने** के लिये एक पार्टी पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाने के आदेश को बरकरार रखा।
- **भारत संघ और अन्य बनाम सिप्ला लिमिटेड 2017:**
  - सर्वोच्च न्यायालय ने **फोरम शॉपिंग के लिये अपनाए जाने वाले "कार्यात्मक परीक्षण"** को निर्धारित किया।
    - सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित "कार्यात्मक परीक्षण" यह निर्धारित करने के लिये था कि क्या **एक वादी वास्तव में न्याय की मांग कर रहा है या फोरम शॉपिंग के माध्यम से चालाकी की रणनीति में** संलग्न है।
- **रोस्मेरटा *HSRP* वेंचर्स प्रा. लिमिटेड बनाम दिल्ली सरकार और अन्य 2017:**
  - दिल्ली उच्च न्यायालय ने **एक निजी कंपनी पर** जुर्माना **लगाया जिसमें पाया गया** कि वह मध्यस्थता के मामले में "फोरम हंटिंग" में लिप्त थी।
- **कामिनी जायसवाल बनाम भारत संघ 2017:**
  - सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि "बेईमान तत्त्व" हमेशा अपनी पसंद की अदालत या मंच खोजने के लिये तत्पर रहते हैं लेकिन कानून द्वारा **उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं है**।
- **चेतक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड बनाम ओम प्रकाश 1988:**
  - भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर बल दिया कि वादियों को **अपनी सुविधा के लिये न्यायालय चुनने की स्वतंत्रता नहीं** होनी चाहिये। कोर्ट ने कहा कि "फोरम शॉपिंग" के किसी भी प्रयास को दृढ़ता से हतोत्साहित किया जाना चाहिये।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/forum-shopping